

एक शराबी की सच्ची कहानी

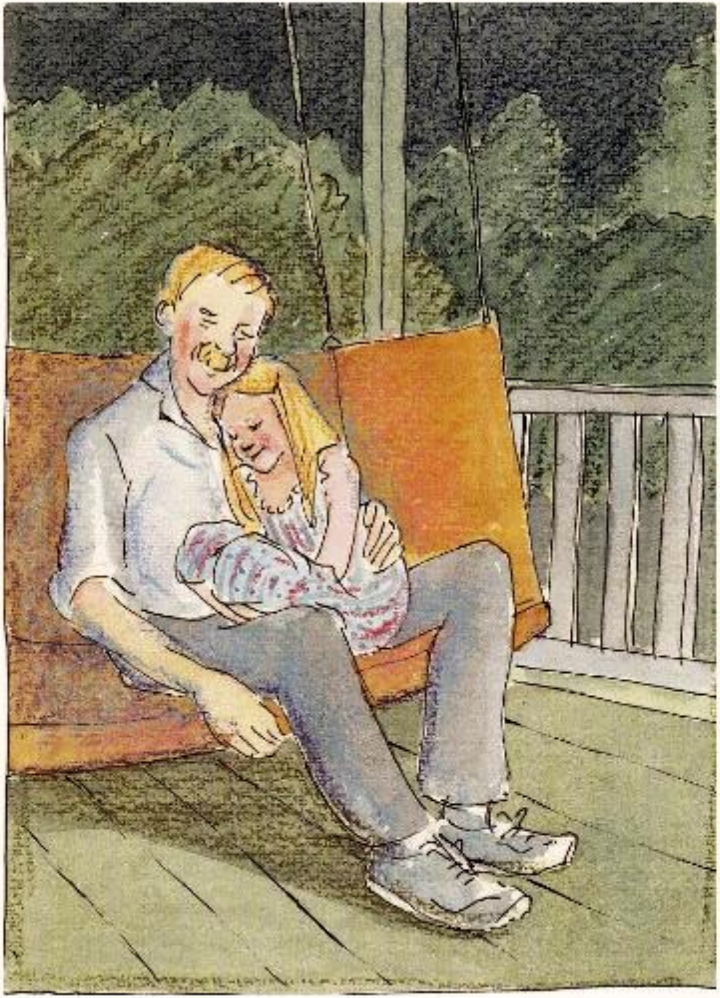
जब डैडी खुश होते हैं, तो वो अपनी बेटी को बरामदे में झूला झूलाते हैं, गाते हैं और वे जुगनुओं को देखते हैं. जब डैडी व्हिस्की पीने के लिए गैरेज में नहीं जाते हैं, तो वे शनिवार की सुबह को बगीचे में काम करते हैं और पार्क में मम्मी के साथ शनिवार की दोपहर में सैर का आनंद लेते हैं.

लेकिन कभी-कभी, जब वो पीते हैं तो डैडी गुस्से में राक्षस बन जाते है. वह मम्मी पर चीखते-चिल्लाते हैं और छोटी लड़की को कंधों से पकड़कर घसीटते हैं. "मुझ पर जासूसी मत करो!" वो अपनी बुलंद आवाज़ में चीखते हैं. उनकी सांस से उसी व्हिस्की की बदबू आती है जिनकी बोतलें वो छिपाते हैं.

बेटी के दृष्टिकोण से लिखी गई यह कहानी शराब के साथ पूरे परिवार की लड़ाई की मार्मिक, प्रामाणिक कहानी है. जो बच्चे इन्हीं परिस्थितियों में रहे हैं, वे उस छोटी लड़की के साथ तुरंत आत्मीयता स्थापित कर लेंगे. वो उसकी भावनाओं की ईमानदारी को ज़रूर समझेंगे!

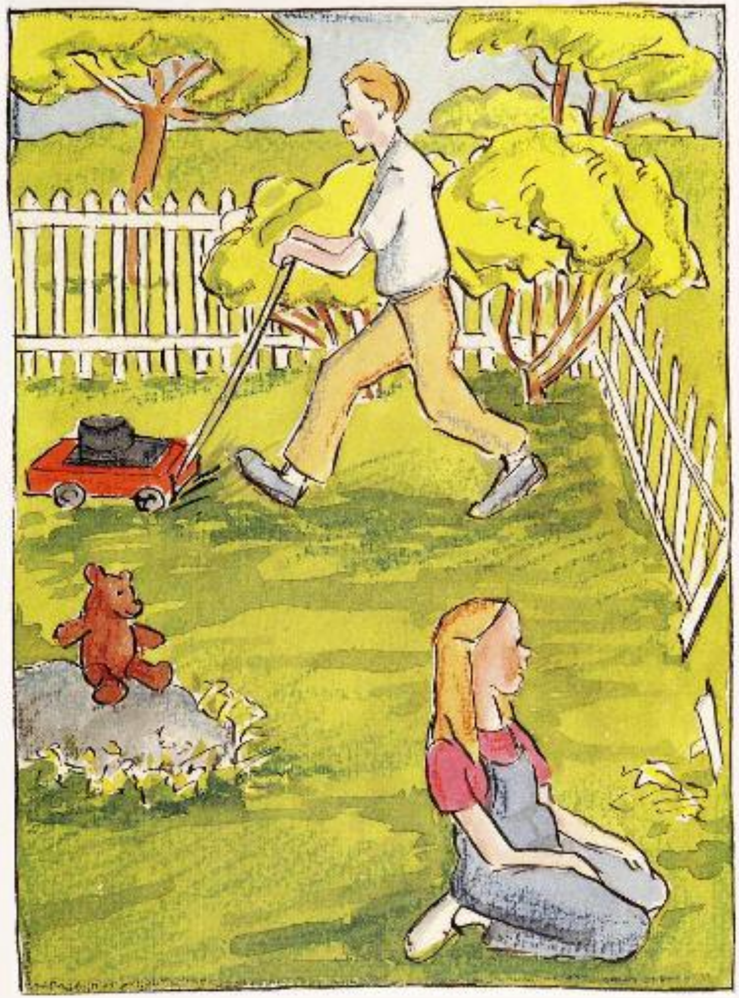


एक शराबी की सच्ची कहानी



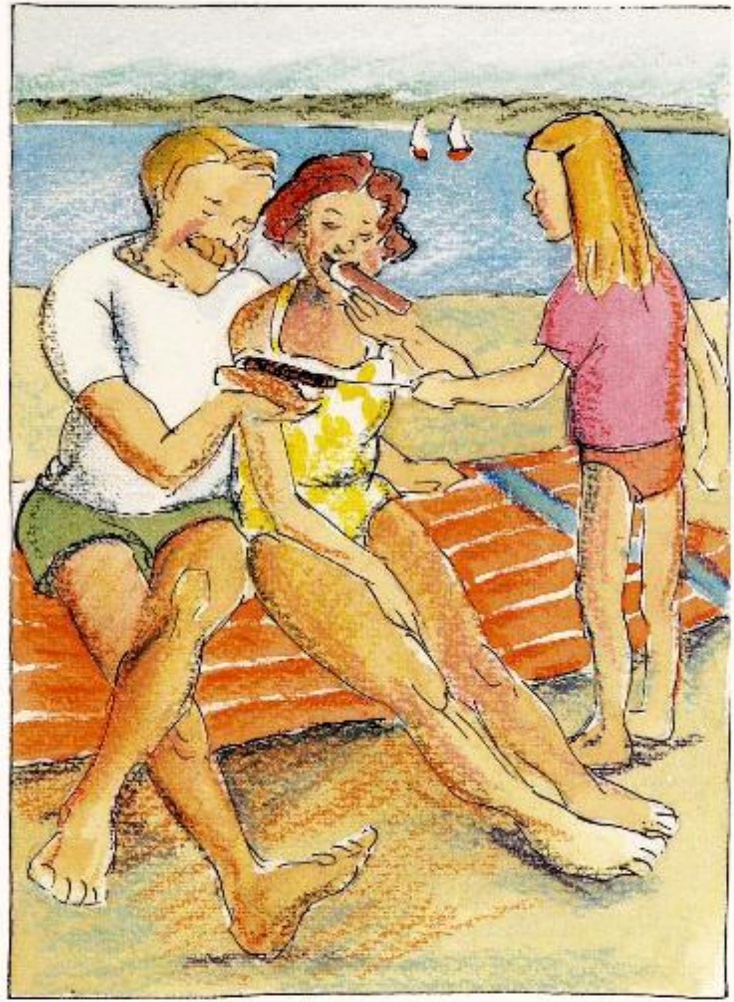
मुझे अपने डैडी पसंद हैं जब वो राक्षस के रूप में नहीं होते हैं. जब वो खुश होते हैं तो वो मुझे अपनी गोद में रखकर खिलाते हैं और मुझे कहानियाँ सुनाते हैं. जब मैं सो नहीं पाती हूँ तो वो रात को, बरामदे के झूले में बैठकर मुझे सुन्दर गीत सुनाते हैं. अंधेरे में हम दोनों जुगनुओं को चमकते हुए देखते हैं.

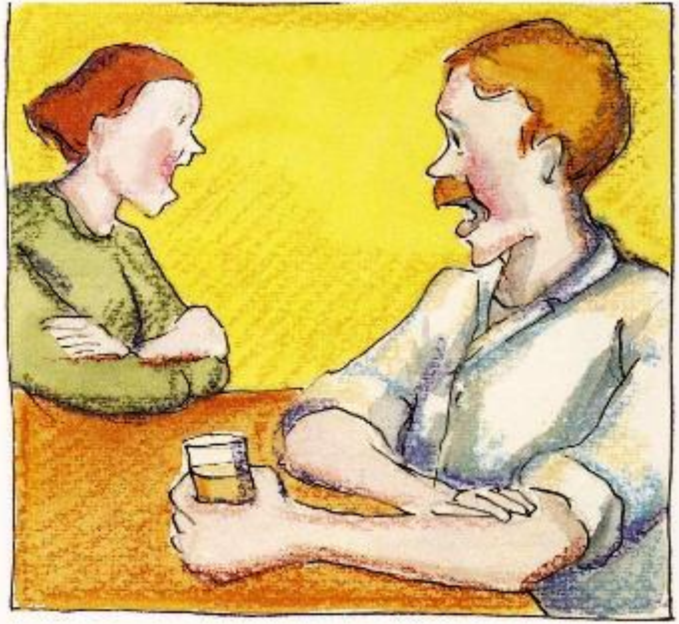




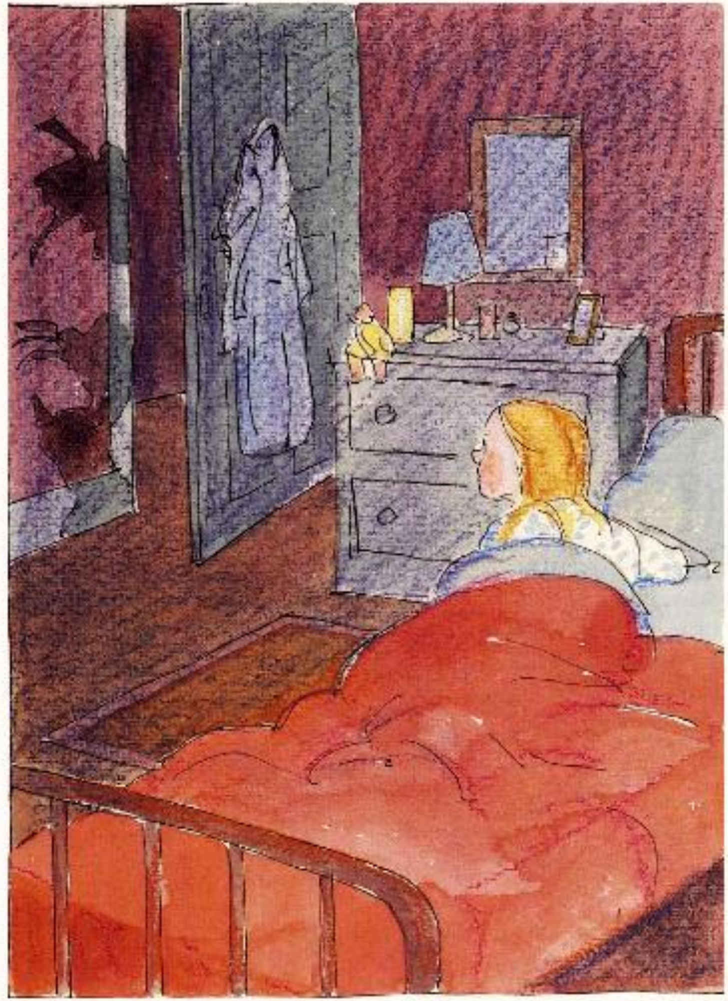
अगर वो व्हिस्की पीने के लिए गैरेज में नहीं जाते हैं, तो वो सिर्फ डैडी होते है. शनिवार सुबह-सुबह वो बगीचे में सबके साथ काम करते हैं. वो घास काटते हैं जबकि मैं खरपत उखाड़ती हूं और ध्यान से देखती हूं कि हमें और क्या ठीक करना है.

शनिवार की दोपहर को डैडी, मम्मी और मैं पार्क में पिकनिक मनाने जाते हैं. हम तब तक तैरते हैं जब तक हमारे होंठ नीले नहीं हो जाते, और फिर हम कुछ "हॉट-डॉग्स" भूनते हैं. वो आग जलाने में मेरी मदद करते हैं. "तुमने जो काला "हॉट डॉग" बनाया वो मुझे बहुत पसंद आया," वो कहते हैं.

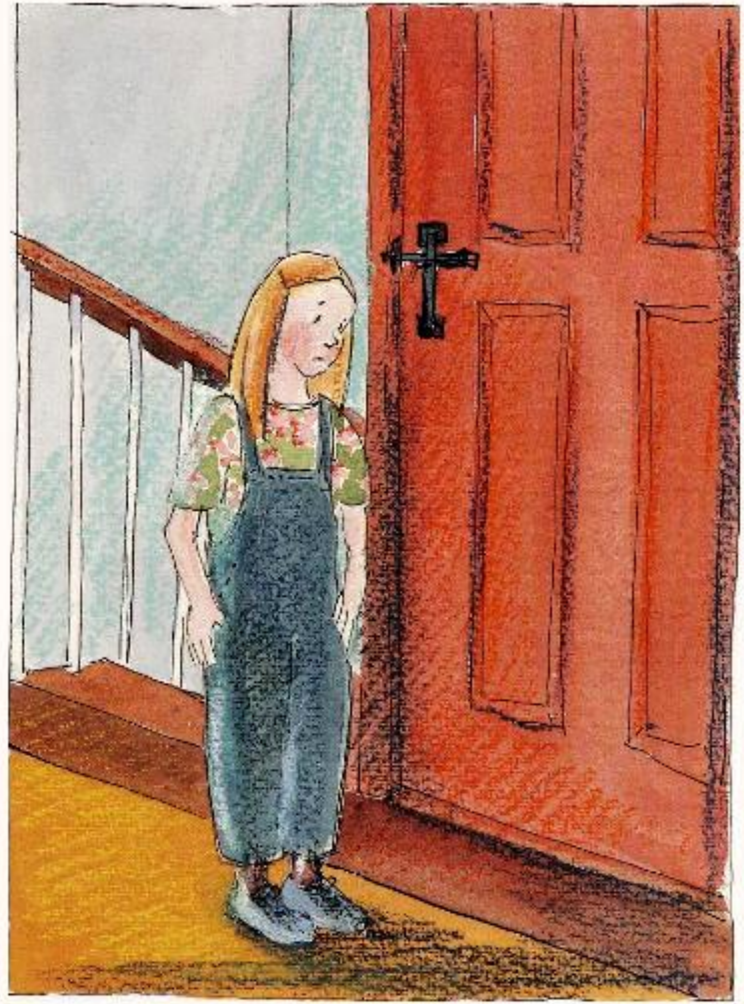


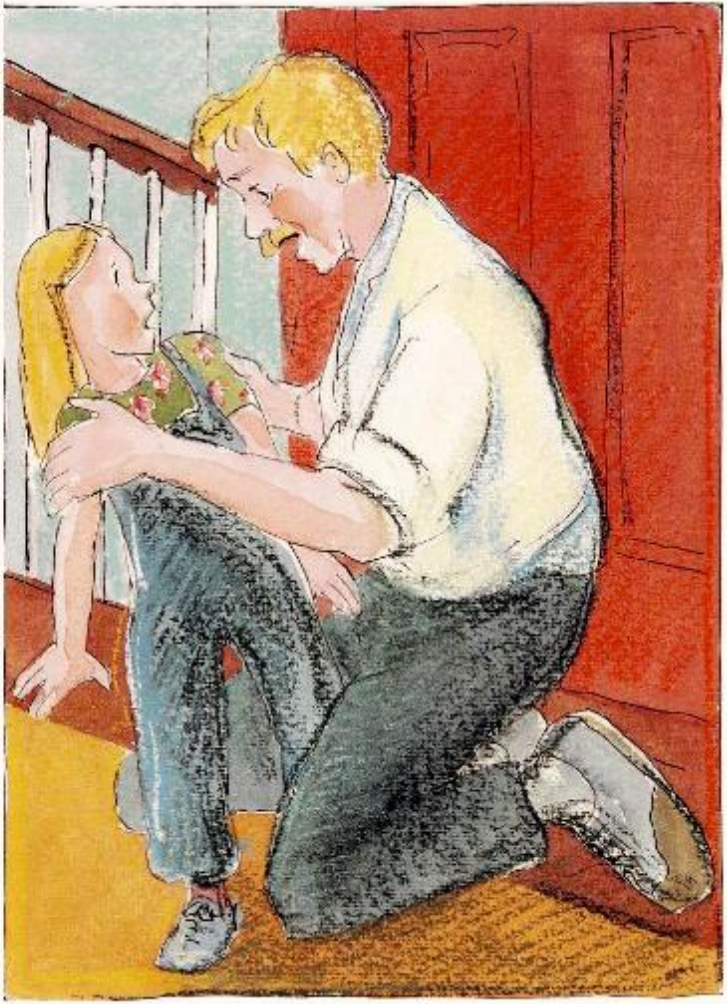


आमतौर पर डैडी का मिज़ाज़ काफी अच्छा रहता है. लेकिन मुझे नहीं पता कि कब वो पागल होकर गुस्से में एक राक्षस जैसा सलूक करना शुरू कर दें. इन गर्मियों में मम्मी भी हर दिन मुझ पर खीजतीं थीं. जब मैं बिस्तर में लेटी तो मम्मी, डैडी के पीने की लत के बारे में इतना चिल्लाईं कि मैं सो नहीं सकी. लगभग हर रात, उनकी ज़ोरदार और बुलंद आवाजें सीढ़ियों पर चढ़ती थीं. मैं बहुत चुपचाप लेटी रहती थी और अंधेरे में मम्मी-डैडी के बैडरूम की आकृतियों को चुड़ैलों में बदलते हुए देखती थी.



एक बार मुझे डैडी की अलमारी में जूतों के नीचे एक
व्हिस्की की बोतल मिली. वो गैरेज की अलमारियों के
पीछे भी बोतल छिपाकर रखते थे. वो सीढ़ियों के नीचे
अटारी में भी दारु की बोतलें छिपा कर रखते थे.
एक बार डैडी में अटारी गये और फिर उन्होंने अंदर से
दरवाजा बंद कर लिया. जब तक वो बाहर नहीं आए
तब तक मैंने हॉल में उनका इंतजार किया.

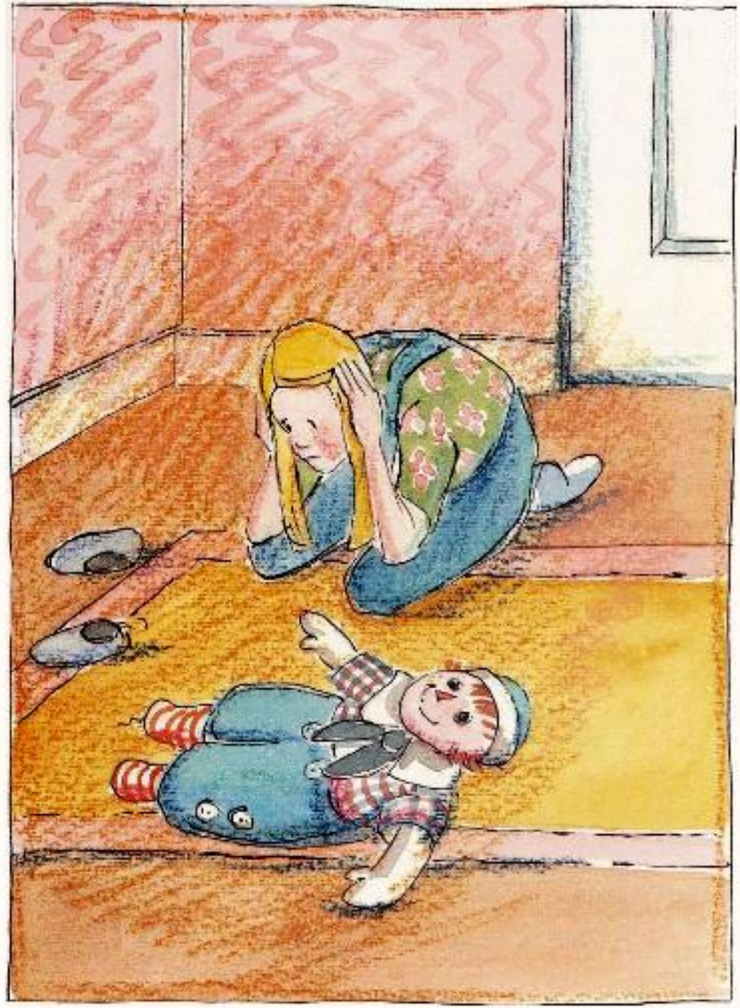




"आप वहाँ क्या कर रहे थे?" मैंने डैडी से पूछा.

डैडी ने कसकर मेरे कंधे पकड़े. "मेरे आस-पास जासूसी मत करो!" वो गुस्से में चिल्लाए. उन्होंने नीचे झुककर मुझे ज़ोर से हिलाया. उनका आकार एक घर जितना बड़ा था! शायद एक पहाड़ से भी बड़ा! उनकी सांस से मुझे बोतलों जैसी बदबू आ रही थी.

मैं दौड़ कर अपने कमरे में गई और वहां मैंने अपनी गुड़िया निकाली. मैंने अपनी गुड़िया के दोनों पैर खींचकर तोड़ डाले.

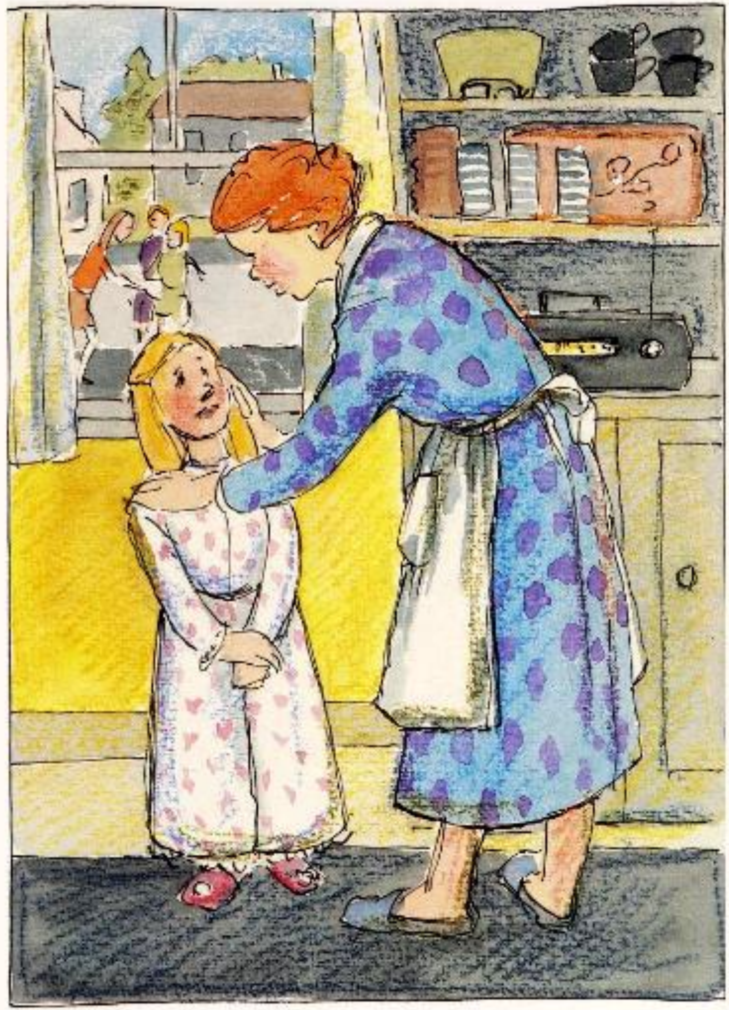


अगली सुबह, जब डैडी सो रहे थे तब मम्मी ने कहा, "मुझे खेद है कि मैंने पूरी गर्मियों भर तुमसे अच्छा बर्ताव नहीं किया. जब मैं और डैडी आपस में लड़ते हैं तो तुम्हें ज़रूर डर लगता होगा."
मुझे कोई जवाब समझ में नहीं आया इसलिए मैंने सिर्फ खिड़की से बाहर देखा. मेरे दोस्त फुटपाथ पर होपस्कॉच खेल रहे थे.

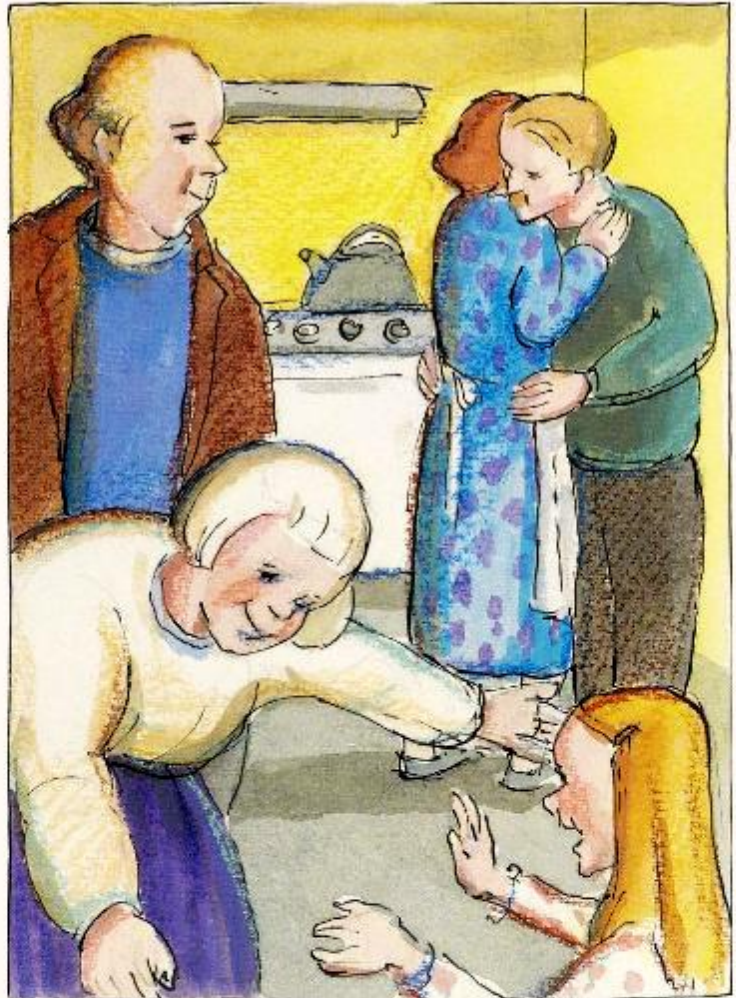
"पिताजी की समस्या बाकी सभी लोगों के लिए ज़िन्दगी कठिन बना देती है," माँ ने कहा. "आज कुछ लोग, जो डैडी से सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, उनसे इस बारे में बात करने आ रहे हैं. उनका पीना हमें कैसा लगता है? इस बारे में हम आज उन्हें बताएँगे."

फिर मम्मी ने अपने हाथों में मेरा चेहरा पकड़ा और मेरी आँखों में झाँका. तुम्हें कुछ भी नहीं बोलना है. तुम्हें यहाँ रुकना और सुनना भी नहीं. पर मुझे लगता है कि डैडी तुम्हारी भावनाओं के बारे में भी जानना चाहेंगे. अगर तुम चाहो तो उन्हें बता सकती हो."

मुझे लगा कि डैडी मेरे ऊपर एक राक्षस की तरह खड़े हैं. वो मुझे हिला रहे हैं और जासूसी के लिए मुझ पर चिल्ला रहे हैं. उससे मेरा पेट इतना दर्द करने लगा कि मैं अपना खाना तक नहीं खा सकी.



फिर एक-एक करके लोग आते गए. दादी, और डैडी के दोस्त बॉब काम से आए. फिर सभी लोग अंकल निक, मम्मी और मेरे साथ किचन में मिले. सभी लोग मेज़ के चारों ओर बैठे, और उन्होंने हलकी आवाज़ में बातें कीं. उन्होंने मीठे डोनट्स खाए और कॉफ़ी पी. मम्मी ने मुझे भी एक घूंट कॉफी पिलाई. जब दादी ने सीढ़ियों पर डैडी के आने की आवाज़ सुनी तो उन्होंने तुरंत बोलना बंद कर दिया.



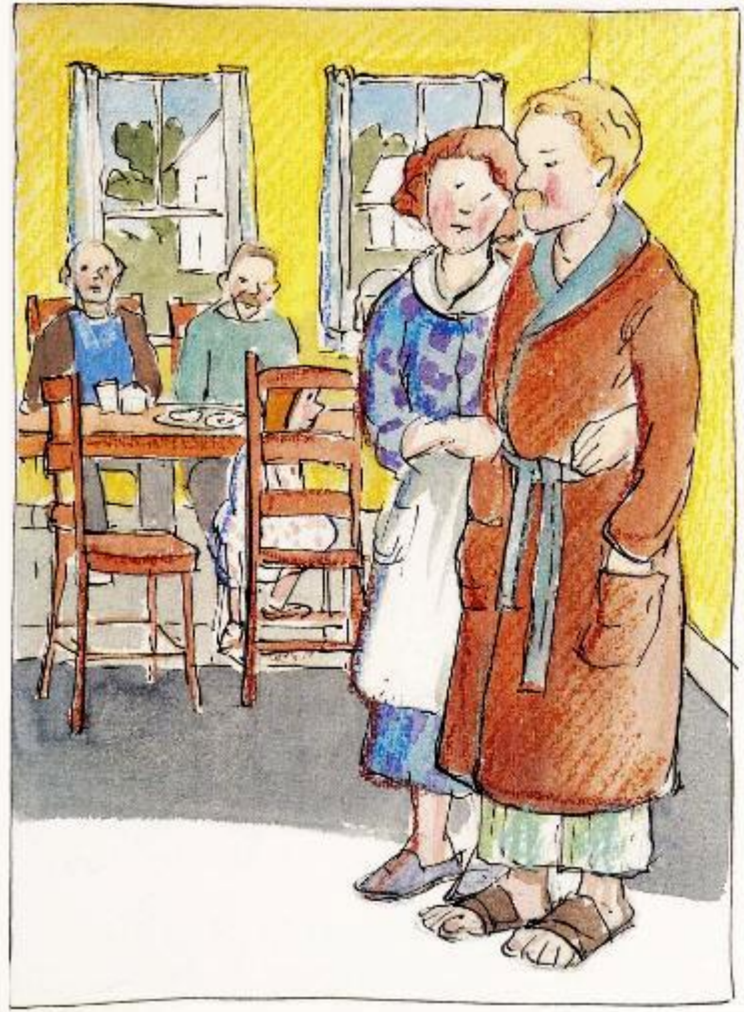
मम्मी ने बड़े प्रेम से हाथ डैडी की कमर में हाथ डाले. "हमारे साथ यहाँ आओ," उन्होंने कहा. "कुछ कॉफी पियो." माँ ने लंबे अर्से से डैडी से इतने प्यार से बात नहीं की थी.

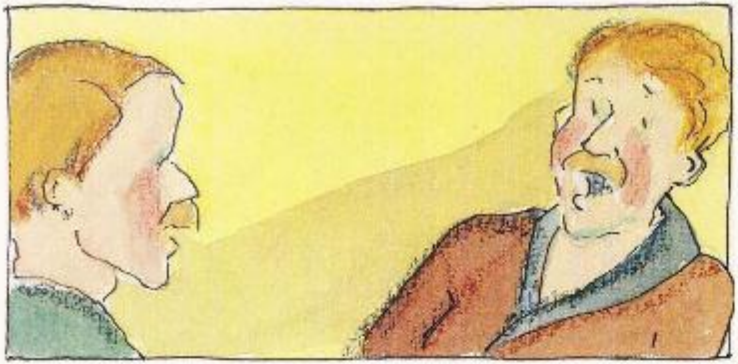
डैडी ने अपनी मूंछे रगड़ीं. फिर वो नहाने के गाउन की जेबों में हाथ डालकर बैठ गए और अपने पैरों को हिलाने लगे.

"यह किसकी पार्टी चल रही है?" डैडी ने पूछा .

"आपकी," अंकल निक ने कहा.

डैडी मुस्कुराए नहीं. उन्होंने किसी से नज़र भी नहीं मिलाई.





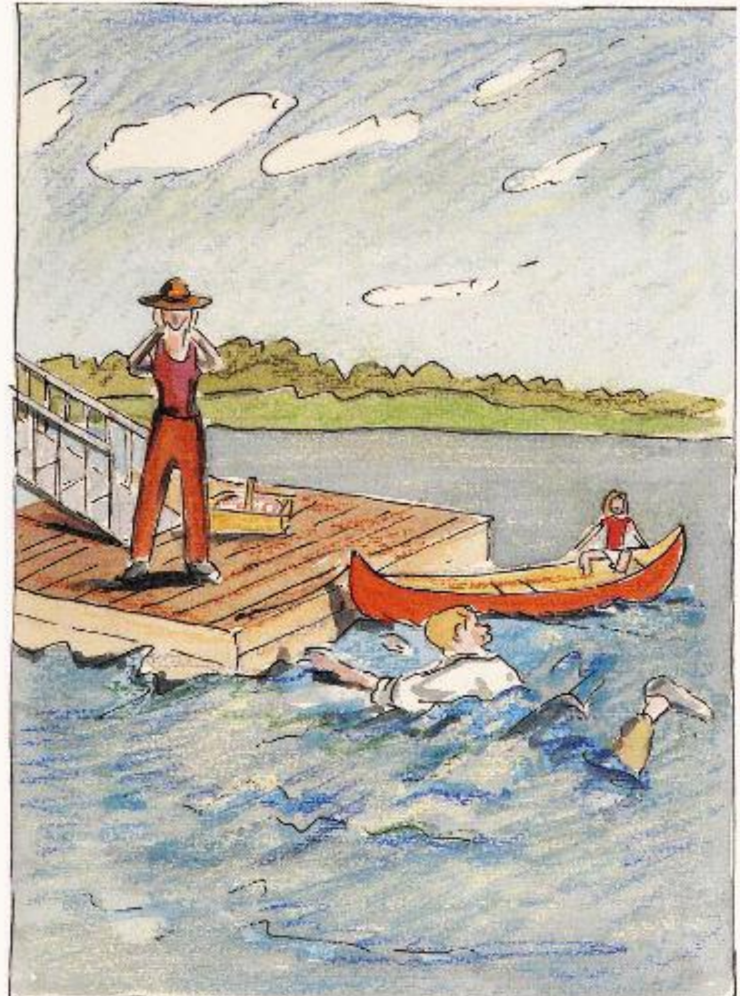
एक-एक करके सभी लोग बातें करने लगे. उन्होंने डैडी को उनके पीने के बारे में बताया. अंकल निक ने डैडी को बंदरगाह से गिरते समय का हादसा याद दिलाया. मुझे भी उसकी याद है. उन्होंने उसके लिए मुझे दोषी ठहराया क्योंकि मैं डोंगी को ठीक से पकड़ नहीं पाई थी. फिर वो मुझ पर तब तक चिल्लाए जब तक उनका चेहरा लाल नहीं हो गया. फिर मम्मी ने उनकी जेब से सारे डॉलर के गीले नोट कपड़ों जैसे डोर से सुखाये.

"पिछली बार जब हम मछली पकड़ने गए थे, तब नशे में आपने मुझे गाल पर मारा था," अंकल निक ने कहा. "आप मेरे इकलौते भाई हैं. आपको इस हाल में देखकर मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है."

मैं कांपने लगी.

"मेरे पीने से किसी का कोई लेना-देना नहीं!" डैडी ने ऊंची आवाज में कहा. फिर उन्होंने मेज़ पर एक मुक्का मारा जिससे हरेक की कॉफी छलक गई.

"इससे मेरा सीधा लेना है," अंकल निक ने कहा. "आप नशे की हालत में मेरी छोटी लड़की को नाव पर ले गए थे."



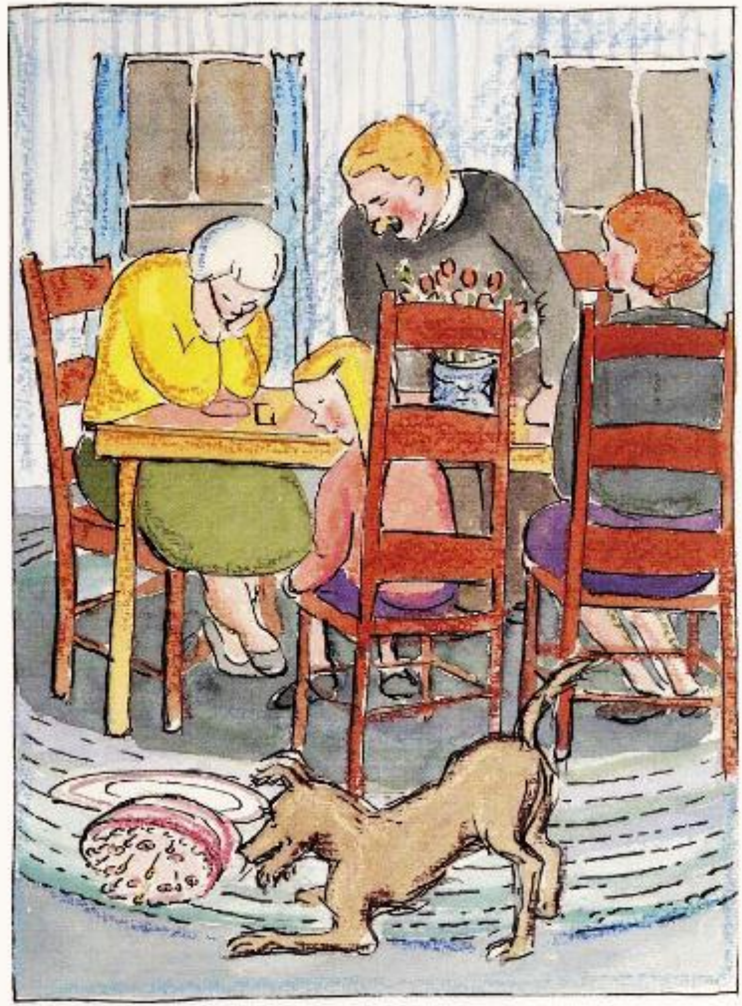


दादी ने डैडी को उस मौके याद दिलाई, जब उन्होंने दादी के जन्मदिन के केक को मेज़ से नीचे गिरा दिया था. दादी, केक की मोमबत्तियाँ तक नहीं बुझा पाईं थीं. दादी अपने जन्मदिन की पार्टी में रोई थीं. उस दिन सिर्फ अकेला कुत्ता ही खुश था, क्योंकि गलीचे पर गिरे पूरे केक को उसने ही चाटा था.

"हम सभी तुम्हें प्यार करते हैं. तुम अपने भले के लिए कोई डॉक्टरी सहायता प्राप्त करो," दादी ने कांपती आवाज़ में पिताजी से कहा.

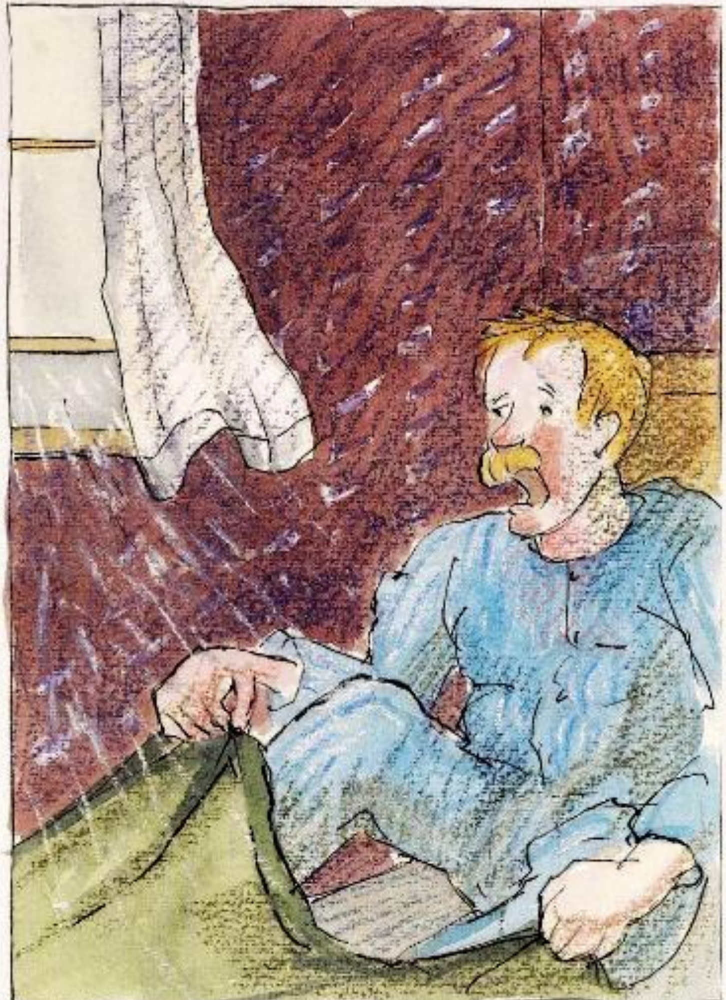
डैडी ने दादी की तरफ देखा. "मुझे डॉक्टरों की आवश्यकता नहीं है. मैं बस सकून मिलने के लिए थोड़ा पीता हूं, जैसे हर कोई पीता है."

मैंने अपना नहाने वाला गाउन कसकर लपेट लिया. मालूम नहीं, वे मुझे कब बुलाएं?



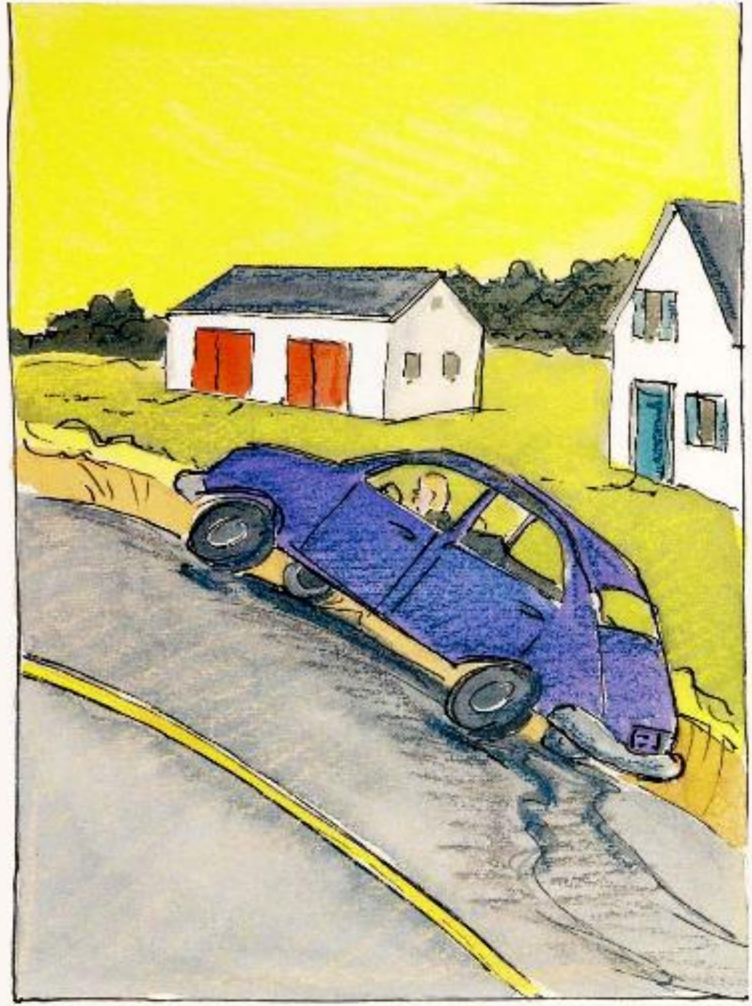


"नशे के कारण तुम लगभग हर हफ्ते, काम पर एक दिन का नागा करते हो," बॉब ने कहा. "कल तुम एक ग्राहक पर बहुत गुस्सा हुए. मैंने तुम्हें हमेशा पसंद किया है, लेकिन शायद अब मैं तुम्हें नौकरी छोड़ने के लिए कहूंगा."
"यह क्या बकवास है!" डैडी ने कहा. वैसे उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि बॉब उनके बारे में कभी ऐसी बातें कहेगा. "क्या तुम सच में मुझे नौकरी से निकाल दोगे?"
"तुम कभी मेरे सबसे अच्छे आदमी थे. लेकिन अब बाकी लोग तुम्हारी शिकायत करते हैं क्योंकि तुम अपने हिस्से के काम नहीं करते हो."
मुझे डैडी के बारे में बॉब की शिकायतें सुनना पसंद नहीं था. लेकिन मुझे याद है कि कई बार डैडी सुबह काम पर जाने के लिए उठते ही नहीं थे. पिछली सर्दियों में एक बार मम्मी इस वजह से डैडी पर बेहद गुस्सा हुईं. उन्होंने डैडी के बिस्तर पर से कम्बल खींचा और खिड़की खोल दी. फिर डैडी के नंगे पैरों पर स्नो उड़कर आई. वो अपनी भारी आवाज़ में मम्मी पर चिल्लाए और उन्होंने फिर से कम्बल ओढ़ा. उसके बाद वो दोपहर के खाने के समय तक सोते रहे.



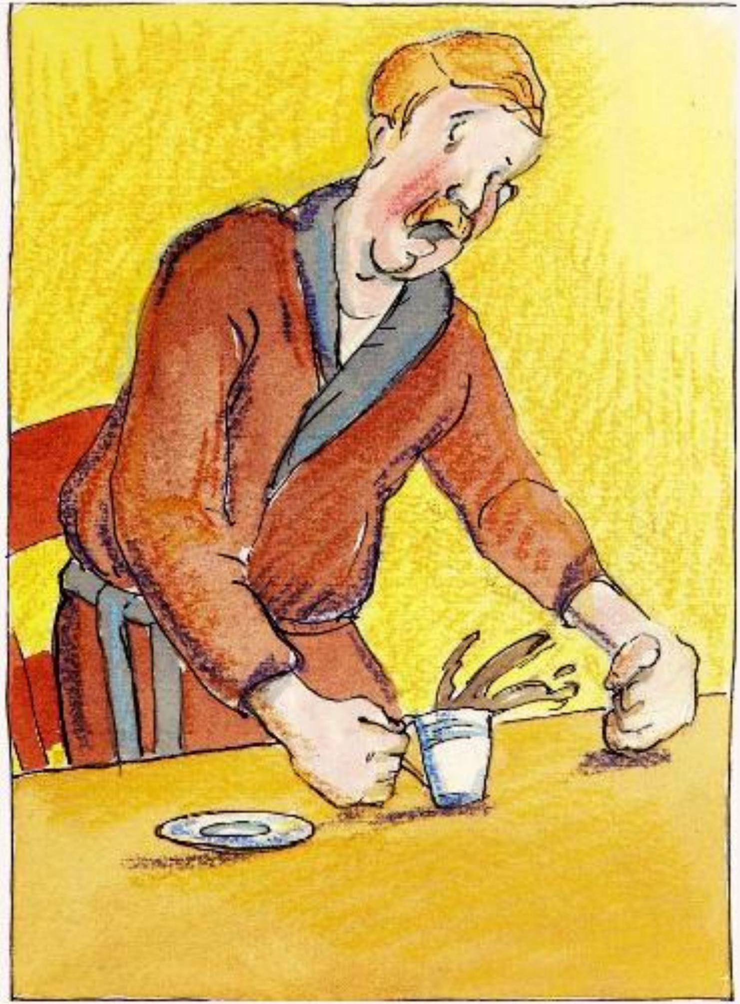


मैंने अपने हाथों को अपने चेहरे पर रखा और उँगलियों के बीच में से बड़ों के बीच चल रही नोक-झोंक देखती रही. अगर डैडी ने नौकरी चली गई तो मेरा क्या होगा? अब मम्मी की बारी थी. उसने कैम्पिंग ट्रिप की बात याद दिलाई जब डैडी ने अपने थैले में व्हिस्की छिपा कर ले गए थे. वो नशे में इतने धुत्त थे कि वो टेंट तक नहीं लगा पाए. उन्होंने उस हादसे के बारे में भी बताया जब डैडी नशे में मुझे स्कूल से घर लाये. तब हमारी कार एक खाई में गिरते-गिरते बची थी.



"अब मैं इसे और ज़्यादा बर्दाश्त नहीं कर सकती!" मम्मी ने कहा. फिर वो इतनी धीमी आवाज में बोलीं कि मुझे कुछ सुनाई ही नहीं दिया. "मैं तुम से प्यार करती हूं, पर मैं तुम्हारे पीने के साथ अब नहीं रह सकती. मैंने अस्पताल में लोगों के साथ बात की है. या तुम वहां इलाज के लिए जाओ, नहीं तो फिर मैं घर छोड़कर चली जाऊंगी!"

डैडी ने अपना कॉफी का कप टेबल पर पटका और कहा, "मैं जब चाहूँ तब शराब पीना बंद कर सकता हूँ!"





फिर सबने मुड़ कर मेरी तरफ देखा. मैंने अपना मुंह खोला, लेकिन उससे कोई शब्द बाहर नहीं निकला. अगर वो डैडी के साथ नहीं रहेंगी तो फिर मम्मी कहाँ रहेंगी? क्या वो मुझे अपने साथ ले जाएँगी? मैंने खुद को एक छोटी चींटी जैसा महसूस किया. मैं डैडी को क्या बता सकती थी? अगर मैं उनसे कुछ कहती तो वो फिर से मुझे पकड़कर हिला सकते थे.

लेकिन अब डैडी मुझे पागल नहीं लग रहे थे. उसकी बजाए, मेरी कुर्सी के पास उन्होंने घुटने टेके और मेरे कान में फुसफुसाया. "तुम क्या सोचती हो?"

"जब आप मुझ पर चिल्लाते हैं और मुझे कसकर हिलाते हैं तो मुझे बहुत डर लगता है," मैं वापस फुसफुसाई.

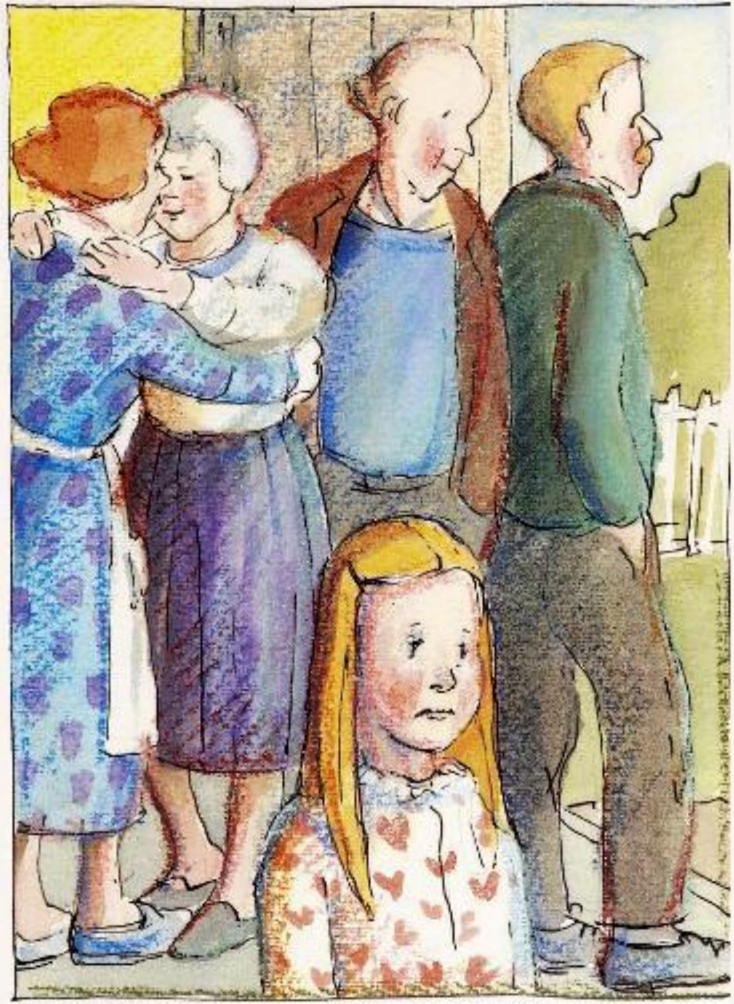
फिर डैडी ने प्यार से मुझे गले लगाया. "मैं चाहती हूं कि सोते समय आप मुझे बरामदे में झूले पर झुलाएं, मुझे गीत सुनाएँ और हम अंधेरे में जुगनू गिनें," मैंने उनके कान में कहा.



फिर डैडी अपनी कुर्सी पर बैठ गए और उन्होंने अपने दोनों हाथों में सिर को रखा. वह बहुत थके हुए लग रहे और उनसे सीधे नहीं बैठा जा रहा था. फिर काफी देर तक किसी ने कुछ नहीं कहा.

फिर डैडी ने मम्मी की ओर घूरा. "मुझे सोचने के लिए कुछ समय चाहिए," उन्होंने कहा. फिर वो नीचे तहखाने (बेसमेंट) में गए. हमें नीचे से कीलें ठोकने की आवाज़ आ रही थी. फिर धीरे-धीरे सारे मेहमान अलविदा कहकर अपने-अपने घर चले गए. काफी देर तक घर एकदम सुनसान रहा.

फिर अंत में डैडी धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़कर ऊपर आये. "मैं इलाज के लिए जाऊँगा," उन्होंने मम्मी से कहा. "क्या तुम सामान बाँधने में मेरी मदद करोगी."



मम्मी और मैं डैडी के पीछे गए और उन्हें अपना सूटकेस पैक करते हुए देखा. उन्होंने टूथब्रश और रेजर को चमड़े के छोटे बास्ते में डाला और फिर बिस्तर पर बैठ गए. मम्मी ने उनके अंडरवियर और मोज़े थपथपाकर मोड़े जैसे वे जीवित हों. फिर वो उनके पास बैठ गईं.

मैंने अपने टेडी-बेयर को गले लगाया और एक शब्द भी नहीं बोली.

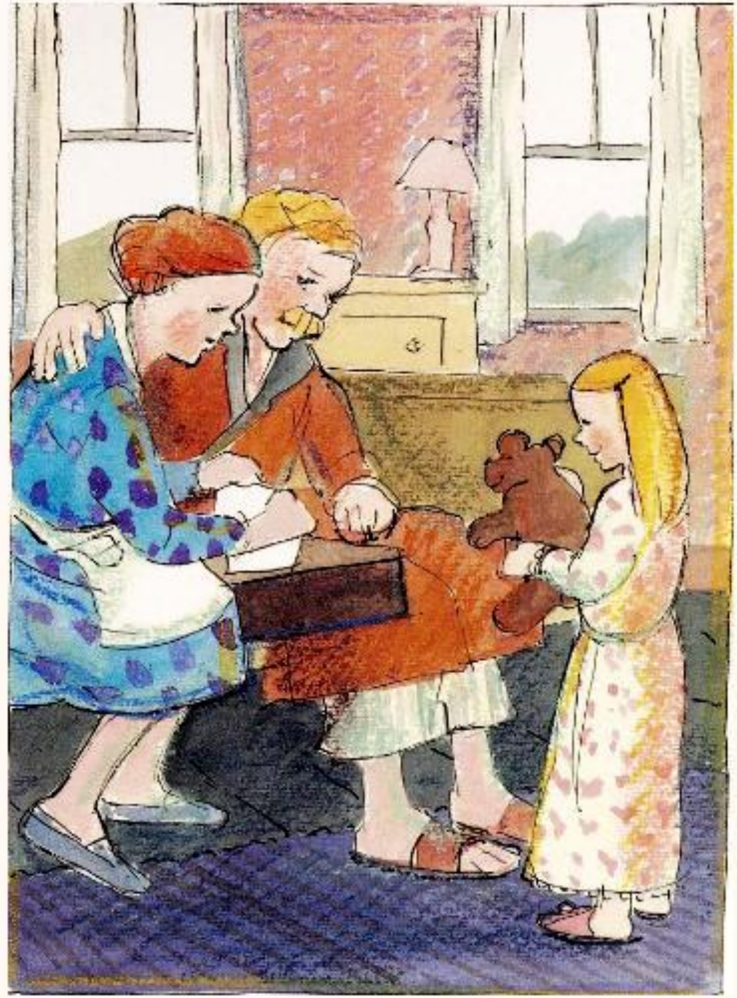
"क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारी गलती की वजह से दूर जा रहा हूं?" डैडी ने कहा.

टेडी ने मेरे लिए सिर हिलाया.

"तुमने मुझे जाने के लिए पर्याप्त शक्ति दी है," डैडी ने कहा.

"आप मेरे टेडी को उधार ले सकते हैं, फिर आपको अँधेरे में डर नहीं लगेगा," मैंने कहा.

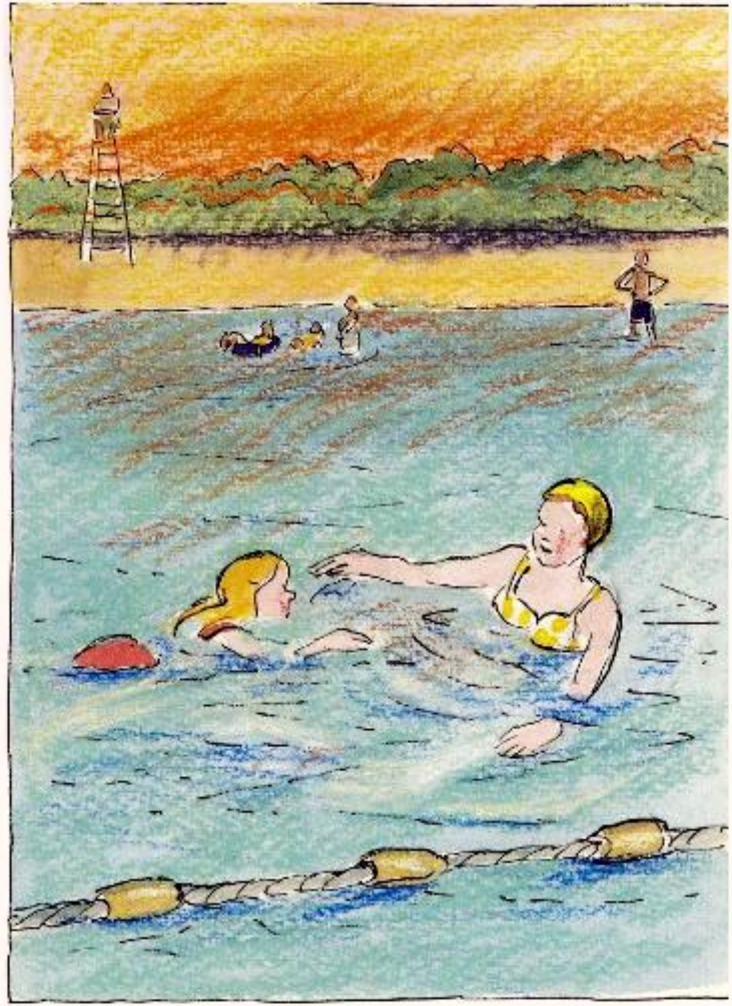
फिर हम सभी ने एक-दूसरे को गले लगाया - टेडी हमारे बीच में था.



पिताजी लंबे समय के लिए चले गए. हमने पांच रविवार उनके बिना ही खाना खाया. पांच शनिवार मैंने टीवी पर कार्टून देखे जबकि माँ ने क्रॉसवर्ड पहेली हल कीं. "यह पहेलियाँ मैं पुरानी यादों को तरोताज़ा करने के लिए हल कर रही हूँ," माँ ने कहा.

अब मम्मी ने हर समय गुस्सा करना बंद कर दिया. बिस्तर पर घुसने के बाद अब कोई भी मुझ पर नहीं चिल्लाता था. माँ ने मेरे लिए एक नाईट-लैंप भी खरीदा. "उस रोशनी तुम देख सकती हो कि सभी परछाईंयां - भालू और चुड़ैलों नहीं होती," माँ ने कहा. फिर मैंने माँ के साथ मिलकर अपनी गुड़िया के पैर दुबारा सिले.

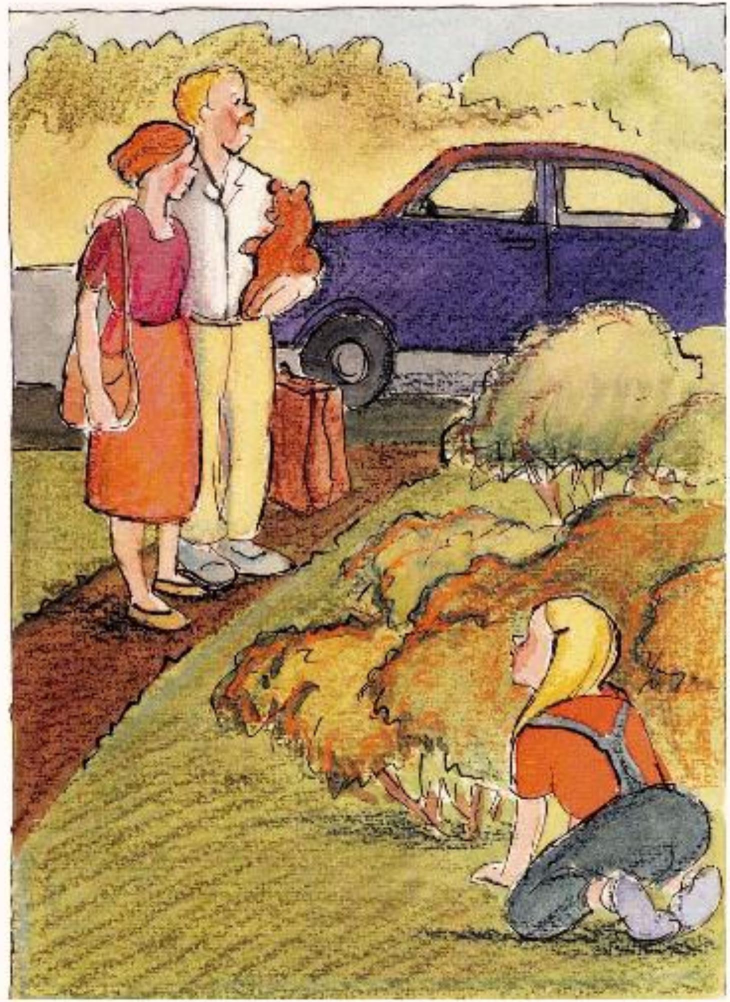
हर रात मम्मी और मैं खाने के बाद झील पर घूमने जाते, जब बारिश होती तब भी हम छिछले भाग में तैरते थे. लाइफगार्ड हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमें टॉवर से देखता था. कभी-कभी घर वापिस आते समय हम कूदते हुए आते थे.



आज सुबह जब मम्मी डैडी को इलाज से वापस लाईं, तो टेडी बेयर, डैडी की बगल में दबा था. मैं उन्हें देख कर भागी और झाड़ी के पीछे अपने गुप्त स्थान पर जाकर छिप गई. मैं गौर से देख रही थी कि क्या वो वाकई में डैडी हैं, या राक्षस.

"मेरी छोटी बेटी कहाँ है? वो चिल्लाए. "मैं अपनी प्यारी बेटी को देखना चाहता हूँ!"

अब वो सीधे-सादे सिर्फ डैडी थे. जब उनकी पीठ पीछे थी तब मैं उनकी पीठ पर चढ़ गई ओर चिल्लाई, "बू!"



हंसते हुए उन्होंने मुझे उठाया और मुझे पुराने तरीके से गोल-गोल घुमाया. मम्मी घर में चली गईं.

"क्या तुम अब भी मुझसे डरती हो?" डैडी ने पूछा.

मैंने "हाँ" में अपना सर हिलाया.

"ज्यादा व्हिस्की ने ही मुझे डरावना बनाया था. अब लगता है मेरी नशे की तलब खत्म हो जाएगी. मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं," उन्होंने कहा. "अभी मुझे कई काम करने हैं. क्या तुम मेरी मदद करोगी?"



फिर मैंने और डैडी ने उनके द्वारा छिपाई गई सभी बोतलों को इकट्ठा किया. कुछ ऐसी गुप्त जगह थीं जो मुझे पता भी नहीं थीं. उन्होंने बची व्हिस्की को सिंक में उंडेल दिया और खाली बोतलों को कूड़ेदान में डाल दिया. खाली बोतलों से पूरा एक बैग भर गया!

"नशे के बिना रहना आसान नहीं होगा," डैडी ने कहा, "पर मैं हर दिन वैसा करने की अपनी पूरी कोशिश करूंगा. मैं अब और डरावना नहीं होना चाहता हूँ."

आज रात डैडी ने मुझे अंधेरे में झूला झुलाया और पुराने मधुर गाने गाए. "चलो अब जुगनुओं पूंछ की रोशनी को गिनें," उन्होंने कहा. हमने तेईस जुगनू गिने.

कल, लॉन में खरपत निकालने और बाड़ की घास काटने के बाद, मम्मी, डैडी और मैं झील पर पिकनिक मनाने गए. हम तब तक तैरेंगे जब तक हमारे होंठ नीले नहीं होंगे, और फिर हम आग पर गर्म "हॉट डॉग्स" बनाएंगे. मैं डैडी के लिए काले "हॉट डॉग्स" भूनूंगी, जो उन्हें बेहद पसंद हैं.



समाप्त

